5. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 5×2=10

(क) फूल हँसते हुए आते हैं, फिर मकरन्द गिराकर मुरझा जाते हैं, आंसू से धरणी को भिगो कर चले जाते हैं। एक स्निग्ध समीर का झोंका आता है, निश्वास फेंक कर चला जाता है। क्या पृथ्वी तल रोने ही के लिए है? नहीं, सबके लिए एक ही नियम तो नहीं। कोई रोने के लिए है, तो कोई हँसने के लिए।

(ख) मैं अपने सम्बन्ध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कह सकता उसी-तरह जैसे इस नाटक के सम्बन्ध में नहीं कह सकता। क्योंकि यह नाटक भी अपने में मेरी ही तरह अनिश्चित है, अनिश्चित होने का कारण यह है कि--- परन्तु कारण की बात करना बेकार है। कारण हर चीज का कुछ न कुछ होता है।, हालांकि यह आवश्यक नहीं कि जो कारण दिया जाय वास्तविक कारण वही हो।

इकाई - तीन

6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध 'श्रद्धा-भक्ति' का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए। 10

7. 'पथ के साथी' के आधार पर सुमित्रानंदन पन्त के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 10

इकाई - चार

8. राष्ट्रीय चेतना के परिप्रेक्ष्य में 'चन्द्रगुप्त' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

9. नाट्य-शिल्प की दृष्टि से 'आधू-अधूरे' नाटक की सम्यक् आलोचना कीजिए। 10

A **(Printed Pages 4)**

Roll No._____

AS-2165

एम. ए. (द्वितीय सेमेस्टर) परीक्षा, 2015

हिन्दी

तृतीय प्रश्न -पत्र

(नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

For Back Paper/Improvement/Exempted Candidate (s) the maximum marks will be 70.

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। शेष **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) 'अशोक के फूल' निबन्ध की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के प्रमुख निबन्ध संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) 'प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है, पर श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है'। इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-शैली की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) 'आधे अधूरे' नाटक के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(च) 'कार्नेलिया' की प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(छ) महादेवी वर्मा की गद्य शैली की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

(ज) 'पथ के साथी' के आधार पर सुभद्राकुमारी चौहान के व्यक्तित्व की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(झ) चाणक्य की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ञ) 'आधे-अधूरे' नाटक की पात्र-परिकल्पना का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 5×2=10

(क) कहते हैं दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है! केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।

(ख) यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करे तो उसका कोई भी कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में न आएगा। उसके सब कर्म निर्लिप्त होते हैं।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।5×2=10

(क) ''उनके पास मिश्री की डली हो चाहे लवण खण्ड, दोनों ही जीवन के तल में बैठ कर और घुलकर जीवन रस बन गए हैं। पानी पर तेल की बूंद की तरह तैरता-उतराता

फिरे ऐसा न राग उनके पास है, न वैराग्य, न ज्ञान है, न अहंकार।''

(ख) बुद्धि-वीर दृष्टांत कभी-कभी हमारे पुराने ढंग के शास्त्रार्थों में देखने को मिल जाते हैं। जिस समय किसी भारी शास्त्रार्थी पण्डित से भिड़ने के लिए कोई विद्यार्थी आनन्द के साथ सभा में आगे आता है, उस समय उसके बुद्धि-साहस की प्रशंसा अवश्य होती है। वह जीते या हारे बुद्धि-वीर समझा ही जाता है।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :5×2=10

(क) अपनी जिंदगी चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ। तुम्हारी जिन्दगी चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ। इन सबकी जिन्दगी चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ। फिर भी मैं इस घर से चिपका हूँ, क्योंकि अन्दर से मैं आराम तलब हूँ, घर घुसरा हूँ, मेरी हड्डियों में जंग लगा है।

(ख) मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर, करूणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिंता किस बात की ?